

विचार बिन्दु

चतुराई दरबारियों के लिए गुण है, साधुओं के लिए दोष। -शेख सादी

नए उभरते राजनीतिक कार्यकर्ताओं के लिए (व्यंग मात्र)

राजनीतिक निर्णय, युवा, वृद्ध, अमीर, गरीब, मजदूर, किसान, व्यापारी, प्रोफेशनल, सेवा प्रदाता अर्थात् सभी वर्गों को प्रभावित करते हैं। अमीरों को कुछ कम और गरीबों, मजदूरों, माध्यम वर्ग को कुछ ज्यादा। हर वर्ग के व्यक्ति थोड़ी बहुत रूचि राजनीति में रखते हैं।

महंगाई, लचर कानून व्यवस्था, लचर न्याय व्यवस्था से भी हर वर्ग प्रभावित-दुष्प्रभावित है। युवाओं के समक्ष बेरोजगारी बड़ी समस्या है। इन सब का समाधान राजनीतिक निर्णयों में ही है। इस सारी कहापोह की स्थिति में बहुत से युवा राजनीतियों की चमक-दमक से आकर्षित होकर, राजनीति में ही अपना भविष्य तलाशने और तरासेने लगे हैं।

युवा साधियों, यदि आपको राजनीति के जंगल में सफल होना है तो कुछ बुनियादी शर्तें हैं। यदि आपने उनको समझ लिया, आत्मसात कर लिया तो आप बहुत आगे न भी जा पाओ तो भी सरपंच, प्रधान, प्रमुख, एमएलए तो बन ही सकते हो।

नीचे कुछ बातों हैं उन अनिवार्य शर्तों को:-

सर्वप्रथम 1, 2 ठीक-ठाक पद पर बैठें, नेताओं को चुने और येन-केन प्रकारेण, मौके-बिना मौके उनकी नजरों के सामने रहने का, कोई मौका नहीं चुके। उनके जन्मदिन पर अपने गांव, मोहल्ले में और जहां नेताजी की नजर पड़े ऐसी किसी बड़ी जगह, नेताजी का बड़ी तस्वीर वाला पोस्टर लगाए।

आपकी पॉकेट वजन हो। एक बड़ी सी गाड़ी में 5, 10 लोगों को हरदम, खिला-पिला कर साथ रखने का मादा हो। यदि इस फीज में कोई लाइसेंस, गैरलाइसेंस बंदकधारी भी हो तो सोने में सुहागा। यह अपरोक्ष रूप से आपकी निजी सेना है जो आपके इशारों पर नाचें।

आदर्शवादी विचारधारा का अपना महत्व है किंतु उस वजनी पोस्टली को आप सर पर रख कर नहीं डोलना। यह काम कुछ बड़े कैडिय, राज्य स्तरीय नेताओं द्वारा विशेष अवसरों पर बोलने के लिए है। यह उनका ही विशेषाधिकार है, इसमें अतिक्रमण नहीं करना।

नेताजी में यदि रात को दिन कह दिया तो आपको उसे सिद्ध करने के लिए जायज-नाजायज सब सीमा लांघनी हैं। नेताजी के यदि कहें कि ताली और थाली बजानी हैं या मोमबतियां जलानी हैं तो पूरा शहर न सही मोहल्ले में तो रात और दिन आसमान गूंजना ही चाहिए। आप मोमबतियां रात के साथ दिन में भी जलाएं।

आजकल बहुत से मुले, रैटिक्व, नए-नए विषय नेताओं की जुबान पर है। इन में से कुछ आप चुनिए और उन के पक्ष या विपक्ष में, बेहिचक कुछ भी तथ्यात्मक अथवा अनुसंगल बोलने की कला, क्षमता विकसित करें। बोलने में लंग पावर का इतना उपयोग जो कि सामने वालों की आवाज कोई सुन ही नहीं पाए।

इतिहास को अपनी सुविधानुसार तोड़ने-मरोड़ने-अर्थ का अर्थ करने की क्षमता हासिल करो।

इतिहास पॉलिटेथियन्स के लिए बड़े काम की चीज सिद्ध हो रही है। हिंदुस्तान के पुराने जातीय-साम्प्रदायिक सुरमाओं को इतिहास के विदेशी आक्रांताओं व देशी खलनायकों में जो कुछ नही करने दिया या नहीं कर सके, उसे अब करने का उद्योग करो। इतिहास की किताबों से सारी असुविधानक सामग्री जो चाहे तथ्यपरक ही क्यों न हो उसे भी हटा डालो या ऐसा करने का वादा करो। इतिहास से गढ़े मुद्दे निकाल कर, शहरों, गांवों, सड़कों के नाम बदलने के वादे करो। पुरानी ऐतिहासिक, प्रसिद्ध इमारतों में भिन्न धर्मों के अवशेष, कलात्मक स्तम्भ, तोरणद्वार आदि होने की घोषणा कर डालो।

कभी-कभी 2, 4 मसल मैन के साथ भीड़ में घुसो और लोगों का धर्म पूछो, जोर-जोर से जयकारे करवाओ, न करे उसे ऐसा पाठ पढ़ाओ कि लोग आपकी सेना के समक्ष, कभी न कहने का साहस भी न करे।

धर्म संसद आयोजित करो, कुछ बाबा लोगों को बुलाओ। कुछ ऐसा नया एलान कराओ की बवाल पैदा हो और टीवी एकर्स उसे लपक लें। जैसे ज्ञानवापी में शिवलिंग मिल गया है, किसी को उसे फब्वारा बोलने ही मत दो।

मीडिया में एक तरफा गलत, भ्रामक खबरें बेहिचक चलवाने, वोट के गणितानुसार सामाजिक-जातीय-साम्प्रदायिक वैयक्तिक फैलाने और झूठ बोलने में महारत हासिल करो। जनता में रोबदोब जमाने के लिए तलवार-त्रिशूल-डंडे-गंडे-टोपी-पजामा-शेरवानी वाली सेनाएं बनाओ और लड़ने भिड़ने को तैयार रखो।

वर्तमान संविधान बनाम पुरातन भारतीय शास्त्रों पर आधारित नया विधान निर्माण तथा कानून आधारित न्याय बनाम बुलडोजर से नव-त्वर्तित-ऑनस्पोट न्याय पर बहस करो, कराओ।

आपकी सुविधा के लिए, आज कल चलने वाले कुछ पॉपुलर मुद्दे नीचे हैं, आपको इनके पक्ष या विपक्ष में क्या बोलना, नहीं बोलना यह तय करें और फिर पूरी ताकत से बोलना शुरू कर दें:-

रमशान बनाम क्रिस्तान, हिंदुस्तान-पाकिस्तान, मंदिर बनाम मस्जिद, मजार, अजान बनाम हनुमान चालीसा, हिजाब बनाम भगवा टोपी, पट्टी, हलाल बनाम झटका, रोजी-रोटी, रोजगार बनाम त्रिशूल, 80 बनाम 20, रामजाने बनाम हराम जादे, हिन्दू बनाम मुसलमान, धोती बनाम टोपी, ओबीसी, एस सी,एस टी आरक्षण बनाम मूल ओबीसी, अन्य वंचित, दलित आरक्षण, भगवा बनाम हरा, गीता, रामायण, पुराण बनाम कुरान, बाइबल, आस्था बनाम संविधान, राष्ट्रवाद बनाम देशद्रोही।

क्या नहीं करना:-

कुछ बातें कथा, कहानियों, भाषणों में अच्छी, वहीं रहने देनी है, आप अनावश्यक बोझ दिमाग पर न डालना और न बोलना, जैसे कि हिंदुस्तान सबका है, भारतीय संस्कृति हजारों नदी-नालों का संगम है, धर्म ईश्वर तक पहुंचने व सच्चा इंसान बनने के एक नहीं अनेक मार्ग बताता है, धर्म बात-बेबात लड़ना-भिड़ना नहीं सिखाता। झूठे-दोंगी-बैदामान लोग पाखंडी करने का रास्ता अपनाते हैं, यह तो भूल कर भी मत बोल देना।

कर्म करने वाले सबसे नीचे व कर्मकांड करने वाले सबसे उपर क्यों, यह कभी नहीं पूछना? दलित वर्ण समस्या पर भूल कर भी नहीं बोलना। कर्मकांड दिन दून रात चौगुन फले-फूले किन्तु इस झगड़े में नहीं कूदना। सारे नेताओं के पास विष्णु के विभिन्न अवतारों का पूरा रिकॉर्ड है लेकिन वराह अवतार की बधाई किसी को मत दे देना। डॉक्टर, इंजीनियर तो किसानों-मजदूरों-मीणा-मेहतारों-मेघवालों आदि बनें और अब कोई रोक भी नहीं पाता किन्तु इनको पुजारी बनाने की वकालत भूल कर भी मत कर देना।

यदि यही नहीं मानेंगे तो चलते रास्ते आफत आमंत्रित कर लोगे।

-अतिथि सम्पादक, महावीर सिंह, आई.ए.एस. (से.नि.)

राशिफल बुधवार 25 मई, 2022

ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत् 2079, उत्तराभाद्रपद नक्षत्र रात्रि 11:20 तक, प्रीति योग रात्रि 10:44 तक, विधि करण दिन 10:33 तक, चन्द्रमा आज मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-मीन, मंगल-मीन, बुध-वृष, गुरु-मीन, शुक-मेघ, शनि-कुम्भ, राहु-मेघ, केतु-तुला राशि में।

आज भद्रा प्रातः 10:53 तक है और पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:01 तक, शुभ 10:42 से 12:24 तक, चर 3:46 से 5:27 तक, लाभ 5:23 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:39, सूर्यास्त 7:08

मेष

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक बृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा।

सिंह

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विवश हो सकते हैं। बतते कार्य विगड़ने का भय बना रहेगा।

धनु

परिवार में वाद-विवाद टलने का प्रयास करें। आपसी परिभेद बढ़ने का भय बना रहेगा। परिवार में अनावश्यक घन खर्च होगा। व्यावसायिक विवादों का सामना करना पड़ सकता है।

वृष

आर्थिक/वित्तीय मामलों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। आय में वृद्धि हो सकती है और आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

कन्या

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में आरंभ अर्द्धचंद्र होने लगेगा।

मकर

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटक हुआ घन प्राप्त होगा। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले पदेश प्राप्त होंगे।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों को प्रार्थना से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बने लगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

तुला

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित अर्द्धचंद्र होने लगे। अटक हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगे। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगे।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। चलते कार्यों में प्रगति होगी। अटक हुआ घन प्राप्त होगा। परिवार में अतिथियों का आमगन रहेगा।

मकर

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटक हुआ घन प्राप्त होगा। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले पदेश प्राप्त होंगे।

मेष

व्यावसायिक कार्यों को प्रार्थना से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बने लगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित अर्द्धचंद्र होने लगे। अटक हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगे। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगे।

धनु

परिवार में वाद-विवाद टलने का प्रयास करें। आपसी परिभेद बढ़ने का भय बना रहेगा। परिवार में अनावश्यक घन खर्च होगा। व्यावसायिक विवादों का सामना करना पड़ सकता है।

वृष

आर्थिक/वित्तीय मामलों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। आय में वृद्धि हो सकती है और आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

कन्या

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में आरंभ अर्द्धचंद्र होने लगे।

मकर

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटक हुआ घन प्राप्त होगा। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले पदेश प्राप्त होंगे।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों को प्रार्थना से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बने लगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

तुला

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित अर्द्धचंद्र होने लगे। अटक हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगे। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगे।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। चलते कार्यों में प्रगति होगी। अटक हुआ घन प्राप्त होगा। परिवार में अतिथियों का आमगन रहेगा।

मकर

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटक हुआ घन प्राप्त होगा। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले पदेश प्राप्त होंगे।

मेष

व्यावसायिक कार्यों को प्रार्थना से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बने लगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित अर्द्धचंद्र होने लगे। अटक हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगे। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगे।

धनु

परिवार में वाद-विवाद टलने का प्रयास करें। आपसी परिभेद बढ़ने का भय बना रहेगा। परिवार में अनावश्यक घन खर्च होगा। व्यावसायिक विवादों का सामना करना पड़ सकता है।

सड़क सुरक्षा, जीवनरक्षा एक चुनौती है

आवागमन के साधनों में सड़क यातायात प्रमुख स्थान रखता है। भारत में जनता की सड़क यातायात के साधनों पर 71 फीसदी व रेलवे पर 19 फीसदी निर्भरता है। सड़क परिवहन द्वारा 65: तथा रेलवे से 34: माल की दुलाई होती है। वर्तमान में देश में 2021 में 30 करोड़ व राजस्थान में 1.5 करोड़ मोटर वाहन सड़कों पर दौड़ रहे हैं। प्रतिवर्ष राज्य में 1.5 लाख नये वाहन बढ़ते जा रहे हैं। किन्तु इसके लिए आवश्यक सड़कों का जाल, नियामक तंत्र, आम जनता में यातायात के नियमों की जानकारी के अभाव में हमारी सड़कें विश्व में सबसे ज्यादा असुरक्षित बनी हुयी हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) की रिपोर्ट के मुताबिक सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण सड़कों का खराब बुनियादी ढांचा व अंधाधुंध वाहन संचालन है। भारत में सड़क दुर्घटनाओं में मृतकों की संख्या लगभग 1.5 लाख प्रति वर्ष है। इन दुर्घटनाओं से भारतीय अर्थव्यवस्था की 3-4 फीसदी की हानि होती है। एन.सी.आर.बी. के अनुसार वर्ष 2019 में भारत में प्रतिमिनट एक सड़क दुर्घटना होती है और इससे प्रति 3 मिनट में एक व्यक्ति की मौत होती है। प्रत्येक चार घायलों में से एक व्यक्ति की मौत हो जाती है।

राजस्थान में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या प्रतिवर्ष लगभग 25 हजार है जिसमें घायलों की संख्या 27 हजार तथा मृतकों की संख्या औसतन सालाना 10 हजार से अधिक है। राज्य में प्रतिदिन 63 सड़क दुर्घटनाओं में 28 व्यक्तियों की मृत्यु हो जाती है तथा 66 व्यक्ति घायल होते हैं। सड़क दुर्घटनाओं के

मुख्य कारणों को आम लोगों के जीवन रक्षा के लिए जानना बहुत जरूरी है। 1. तेज गति से वाहन चलाने के कारण 22 फीसदी सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। अधिकतर युवाओं में तेजगति से वाहन चलाने की प्रवृत्ति पायी जाती है। 2. विश्व में नशे में वाहन चलाने के कारण 18 फीसदी हादसे होते हैं। रात के समय होने वाली दुर्घटनाओं में नशे में वाहन चलाना मुख्य कारण होता है। कभी-कभी चालकों द्वारा पूरी नींद नहीं लेने व झपकी आने से भी गंभीर दुर्घटनाएं हो जाती हैं। 3. वाहनों में यांत्रिक खराबी के कारण दुर्घटना घटित हो जाती है। 4. वाहन चालन के समय, तत्कालीन मौसम का प्रभाव चालक पर भी पड़ता है। 5. सरकार के सख्त निर्देशों के बावजूद भी लापरवाह लोग हेलमेट नहीं लगाते, अनेकों चौपटियां वाहन चालक सीटबैल्ट नहीं लगाते हैं। वाहन चलाते वक्त मोबाइल पर बात करना, दुपहिया या चौपटियां वाहनों के लिए आमबात हो गयी है। 6. सर्वाधिक सड़क दुर्घटनाएं ट्रेफिक नियमों की, शिक्षा का अभाव होने से होती हैं। 7. सड़क उपयोगकर्ता (यूजर) यातायात नियमों में सजा के कड़े प्रावधान होने के बावजूद भी पालन नहीं करने के कारण सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि होती है। 8. सड़क सुरक्षा हेतु आधुनिक तकनीक से लैस तथा प्रशिक्षित कार्मिकों के साथ प्रभावी नियामक तंत्र की कमी के कारण भी सड़क दुर्घटनाएं बढ़ती ही



यादरामसिंह यादव

जा रही है।

यश प्रशन यह है कि आखिर इन विधिन कारणां से हो रही सड़क दुर्घटनाओं को कैसे रोका जाए। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जान-माल की क्षति को रोकने के लिए त्रिके, यातायात वक्त चौपाटी व सड़क किनारे से रोहे लोगों को रोके देते हैं। 5. एन.सी.आर.बी. के अनुसार दुर्घटना के बाद का पहला घंटा जिसे गोल्डन आवर कहा जाता है पीड़ित के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है। समय पर प्राथमिक उपचार मिल जाने व अस्पताल पहुंचाने से पीड़ित के जीवन को 80 प्रतिशत तक बचाया जा सकता है। 6. वाहन संचालन के समय मौसम का भी ध्यान चालकों को रखना चाहिए। यथा कोहरा, वर्षा, आंधी, तूफान, नदी नालों व ओवरब्रिजों पर रात्रि के समय, शहरी क्षेत्र व वन्य क्षेत्र आदि का विशेष ध्यान रखकर वाहन संचालन करने से संभावित दुर्घटना को टाला जा सकता है। 7. नदी, नालों, सपाटों पर से पानी में गुजरते वक्त एक साथ सैकड़ों की जान चली जाती है ऐसी स्थिति में विशेष सतर्कता रखनी चाहिए।

राजस्थान में चार वर्षों के सड़क दुर्घटनाओं में मृतकों के आंकड़े दिये जा रहे हैं।

2014	10289
2018	10320
2019	10563
2021	10043 (-) 50

उपरोक्त आंकड़ों से जाहिर होता है कि सड़क दुर्घटनाओं में मृतकों की संख्या में गत वर्ष 2021 में विशेष कमी आयी है। किन्तु औसत वार्षिक आंकड़ा मृतकों का दस हजार से ऊपर ही चल रहा है, इस भयावह स्थिति के समाधान के सबसे आसान तरीका यह है कि सड़क-सुरक्षा शिक्षा के साथ आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल व पुलिस को पादरक्षिता रखते हुए, सरकारी व निजी संगठनों व आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करें। जिससे सड़क दुर्घटनाओं का आंकड़ा काफी नीचे आ जावेगा। इसमें सरकार के साथ आम जनता को अपनी सखी जिम्मेदारी निभानी होगी तभी दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। केवल सरकार के हाथों यह सड़क-सुरक्षा अभियान, आमजन के सहयोग के बिना सफल नहीं हो सकता है। दुर्घटनाओं में घायल लोगों को अस्पताल पहुंचाकर जीवन रक्षा के साथ मुख्यमंत्री महोदय का प्रशंसा पात्र बन दूसरों को प्रेरित कर सकते हैं। 'मुख्यमंत्री चिरंजीवी जीवन रक्षा योजना' के तहत-प्रोत्साहन राशि भी प्राप्त कर सकते हैं। मनुष्य का जीवन अनमोल है, इसे सहेज कर रखिये।

यादरामसिंह यादव, अधिवक्ता एवं स्वतंत्र लेखक

उप स्वास्थ्य केंद्र के लिए जमीन दान की

खिरोड़, (निर्स)। शुद्धनू जिले की पुरोहितों की ढाणी के निवासी एवं पूर्व जिला परिषद सदस्य रामेश्वरलाल कल्याण पुत्र मनसुखराम कल्याण ने पुरोहितों की ढाणी में प्रस्तावित उप स्वास्थ्य केंद्र निर्माण के लिए अपनी पैतृक आवासीय भूमि में से 127.78 वर्ग गज का दान पत्र मुख्यमंत्री के सलाहकार एवं नवलगढ़ विधायक डॉ. राजकुमार शर्मा को भेंट किया है। इससे पूर्व भी कल्याण ने अपनी पैतृक भूमि में से स्वास्थ्य केंद्र के लिए जमीन दान की थी। जिसका पट्टा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की सौंपा था। मगर वह भूमि उप स्वास्थ्य केंद्र के लिए कम पड़ रही थी। अब कल्याण ने अपनी पैतृक भूमि में से 127.78 वर्ग गज स्वास्थ्य विभाग को और दान की है। चिकित्सा विभाग के मुताबिक अब इस भूमि में उप

उप स्वास्थ्य केंद्र बनने को लेकर खुशी व आभार व्यक्त किया।

पुरोहितों की ढाणी निवासी जप सदस्य रामेश्वर लाल ने जमीन दान की।

स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण आसानी से हो सकेगा। ढाणी के ग्रामीणों ने ढाणी में उप स्वास्थ्य केंद्र बनने को लेकर खुशी व आभार व्यक्त किया।

पुरोहितों की ढाणी निवासी जप सदस्य रामेश्वर लाल ने जमीन दान की।

स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण आसानी से हो सकेगा। ढाणी के ग्रामीणों ने ढाणी में उप स्वास्थ्य केंद्र बनने को लेकर खुशी व आभार व्यक्त किया।

नवलगढ़ में अखिल भारतीय किन्नर सम्मेलन

नवलगढ़, (निर्स) शुद्धनू के नवलगढ़ में किन्नर समाज का अखिल भारतीय किन्नर सम्मेलन चल रहा है। जिसमें पूरे देश से आए किन्नर शामिल हो रहे हैं। आयोजन के पहले दिन किन्नरों के द्वारा पूरे शहर में एक जुलूस निकाला गया। जिसे देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। यह जुलूस कस्बे के छोटा बस स्टैंड से शुरू हुआ। जो शहर के मुख्य मार्गों से होता हुआ, रामदेवजी के मंदिर तक पहुंचा। इस दौरान किन्नर बग्घी व सवार होकर चल रहे थे। इसके अलावा अन्य किन्नर पैदल ही बैड-बाजों धुन पर नाचते हुए चल रहे थे। नानसा गेट इलाके में पुष्प वर्षा कर इनका स्वागत किया गया व इनका आशीर्वाद लिया। लोक देवता रामदेवजी के मंदिर में किन्नरों के द्वारा चुनरी और चांदी का छत्र चढ़ाया गया। किन्नर समाज को नाचते गाते देख काफी संख्या में लोग जुटे रहे। वहीं रास्ते भर में लोग मोबाइल में वीडियो तस्वीरें बनाते दिखे। किन्नर समाज की रेशमा बाई व अंजू बुआजी ने बताया कि देश भर से किन्नर आए हुए हैं। इस सम्मेलन के जरिए अपने यजमानों की सुख समृद्धि की कामना करते हैं व उन्हें आशीर्वाद भी देते हैं। रामदेवजी के मंदिर के चौक पूजन कार्यक्रम भी हुआ। यह सम्मेलन 30 मई तक चलेगा।

देशभर से आए किन्नर हो रहे हैं शामिल

का छत्र चढ़ाया गया। किन्नर समाज को नाचते गाते देख काफी संख्या में लोग जुटे रहे। वहीं रास्ते भर में लोग मोबाइल में वीडियो तस्वीरें बनाते दिखे। किन्नर समाज की रेशमा बाई व अंजू बुआजी ने बताया कि देश भर से किन्नर आए हुए हैं। इस सम्मेलन के जरिए अपने यजमानों की सुख समृद्धि की कामना करते हैं व उन्हें आशीर्वाद भी देते हैं। रामदेवजी के मंदिर के चौक पूजन कार्यक्रम भी हुआ। यह सम्मेलन 30 मई तक चलेगा।

देशभर से आए किन्नर हो रहे हैं शामिल

का छत्र चढ़ाया गया। किन्नर समाज को नाचते गाते देख काफी संख्या में लोग जुटे रहे। वहीं रास्ते भर में लोग मोबाइल में वीडियो तस्वीरें बनाते दिखे। किन्नर समाज की रेशमा बाई व अंजू बुआजी ने बताया कि देश भर से किन्नर आए हुए हैं। इस सम्मेलन के जरिए अपने यजमानों की सुख समृद्धि की कामना करते हैं व उन्हें आशीर्वाद भी देते हैं। रामदेवजी के मंदिर के चौक पूजन कार्यक्रम भी हुआ। यह सम्मेलन 30 मई तक चलेगा।

देशभर से आए किन्नर हो रहे हैं शामिल

का छत्र चढ़ाया गया। किन्नर समाज को नाचते गाते देख काफी संख्या में लोग जुटे रहे। वहीं रास्ते भर में लोग मोबाइल में वीडियो तस्वीरें बनाते दिखे। किन्नर समाज की रेशमा बाई व अंजू बुआजी ने बताया कि देश भर से किन्नर आए हुए हैं। इस सम्मेलन के जरिए अपने यजमानों की सुख समृद्धि की कामना करते हैं व उन्हें आशीर्वाद भी देते हैं। रामदेवजी के मंदिर के चौक पूजन कार्यक्रम भी हुआ। यह सम्मेलन 30 मई तक चलेगा।

देशभर से आए किन्नर हो रहे हैं शामिल

का छत्र चढ़ाया गया। किन्नर समाज को नाचते गाते देख काफी संख्या में लोग जुटे रहे। वहीं रास्ते भर में लोग मोबाइल में वीडियो तस्वीरें बनाते दिखे। किन्नर समाज की रेशमा बाई व अंजू बुआजी ने बताया कि देश भर से किन्नर आए हुए हैं। इस सम्मेलन के जरिए अपने यजमानों की सुख समृद्धि की कामना करते हैं व उन्हें आशीर्वाद भी देते हैं। रामदेवजी के मंदिर के चौक पूजन कार्यक्रम भी हुआ। यह सम्मेलन 30 मई तक चलेगा।

देशभर से आए किन्नर हो रहे हैं शामिल

का छत्र चढ़ाया गया। किन्नर समाज को नाचते गाते देख काफी संख्या में लोग जुटे रहे। वहीं रास्ते भर में लोग मोबाइल में वीडियो तस्वीरें बनाते दिखे। किन्नर समाज की रेशमा बाई व अंजू बुआजी ने बताया कि देश भर से किन्नर आए हुए हैं। इस सम्मेलन के जरिए अपने यजमानों की सुख समृद्धि की कामना करते हैं व उन्हें आशीर्वाद भी देते हैं। रामदेवजी के मंदिर के चौक पूजन कार्यक्रम भी हुआ। यह सम्मेलन 30 मई तक चलेगा।

देशभर से आए किन्नर हो रहे हैं शामिल

का छत्र चढ़ाया गया। किन्नर समाज को नाचते गाते देख काफी संख्या में लोग जुटे रहे। वहीं रास्ते भर में लोग मोबाइल में वीडियो तस्वीरें बनाते दिखे। किन्नर समाज की रेशमा बाई व अंजू बुआजी ने बताया कि देश भर से किन्नर आए हुए हैं। इस सम्मेलन के जरिए अपने यजमानों की सुख समृद्धि की कामना करते हैं व उन्हें आशीर्वाद भी देते हैं। रामदेवजी के मंदिर के चौक पूजन कार्यक्रम भी हुआ। यह सम्मेलन 30 मई तक चलेगा।

देशभर से आए किन्नर हो रहे हैं शामिल

का छत्र चढ़ाया गया। किन्नर समाज को नाचते गाते देख काफी संख्या में लोग जुटे रहे। वहीं रास्ते भर में लोग मोबाइल में वीडियो तस्वीरें बनाते दिखे। किन्नर समाज की रेशमा बाई व अंजू बुआजी ने बताया कि देश भर से किन्नर आए हुए हैं। इस सम्मेलन के जरिए अपने यजमानों की सुख समृद्धि की कामना करते हैं व उन्हें आशीर्वाद भी देते हैं। रामदेवजी के मंदिर के चौक पूजन कार्यक्रम भी हुआ। यह सम्मेलन 30 मई तक चलेगा।

देशभर से आए किन्नर हो रहे हैं शामिल

का छत्र चढ़ाया गया। किन्नर समाज को नाचते गाते देख काफी संख्या में लोग जुटे रहे। वहीं रास्